

**इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छत्तीसगढ़)**

**मध्यमा प्रथम वर्ष**

**विषय : तबला**

**अंक विभाजन पत्रक (प्रायोगिक)**

**वर्ष- 201**

पूर्णांक- 125

न्यूनतम उत्तीर्णांक-41

समय- 30 मिनट

केन्द्र का नाम : \_\_\_\_\_

| क्रमांक | पाठ्यक्रम   | पूर्णांक   | Roll No. | Roll No. | Roll No. | Roll No. | Roll No. |
|---------|---|------------|----------|----------|----------|----------|----------|
| 1-      | तीनताल में लहरे के साथ प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के कायदों के अतिरिक्त निम्न कायदे एवं रेले को चार पल्ले तथा तिहाई के साथ चौगुन में बजाना।<br>(अ) धातित धागे नधा तिरकित धातित धागे तिना किना।<br>(ब) धातिर घिडनग धातिर घिडनग धातिर घिडनग तीना किडनग। | 50         |          |          |          |          |          |
| 2-      | रूपक, तीनताल और झपताल में दो-दो मुखडे बजाना।  | 25         |          |          |          |          |          |
| 3-      | प्रथमा परीक्षा हेतु निर्धारित तालों के अतिरिक्त झूमरा, चौताल, सूलताल के ठेकों को हाथ से ताली देकर पढ़ना तथा तबले पर बजाना।  | 25         |          |          |          |          |          |
| 4-      | त्रक, धिकिट, घड़ान, कड़ान, कडधातित. दी: घेघेतित इन बोलों को तबले तथा बांये पर निकालना।  | 15         |          |          |          |          |          |
| 5-      | लहरे के साथ पाठ्यक्रम के सभी तालों के ठेके बजाना तथा उनकी दुगुन करना।   | 10         |          |          |          |          |          |
|         | <b>योग-</b>   | <b>125</b> |          |          |          |          |          |

स्थान-\_\_\_\_\_

दिनांक-\_\_\_\_\_

पराक्षक के हस्ताक्षर

नाम एवं पता \_\_\_\_\_

*mm*